प्राचार्य

डा0 यशकरन सिंह – एम.एस.सी. रसायन एम.एड., पी.एच.डी. शिक्षा ने 19.7.2006 को केन्द्रीय विद्यालय, आई.टी.बी.पी., भानु में प्राचार्य के रूप में कार्यभार संभाला । उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जैसे – ' भारत ज्योति अवार्ड ', ' विजय श्री अवार्ड ', ' जैम आफ इंडिया ', ' ज्वैल आफ इंडिया अवार्ड ', ' बैस्ट सिटिजन आफ इंडिया अवार्ड ' तथा ' लाईफ टाइम अचीवमैन्ट अवार्ड ' ।

प्रतिष्ठित पुस्तक ' एफ्रो – एशियन हू इज हू ' में नामांकन के लिए भी इनके नाम का चुनाव किया गया है ।

प्राचार्य की कलम से :–

विद्यालय व्यवस्था भावी समाज की गुणवत्ता को निर्धारित करती है । विद्यालयी शिक्षा विद्यार्थियों को केवल लिखाना, पढ़ना व गणना ही नहीं सिखाती अपितु उनमें प्रतिद्वन्द्विता , उच्चाकांक्षा , लक्ष्य निर्धारण , कम्प्यूटर शिक्षा , भारतीय संस्कृति के गुण तथा सदैव नया सीखने की प्रवत्ति का विकास भी करती है जिससे विद्यार्थी भावी सार्वभौमिक समाज के अनुरूप अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें ।

इसके लिए गहन अन्तदृष्टि युक्त एक ऐसे पाठयकम – सहगामी कियाओं के कार्यकम की आवश्यकता है जिससे विद्यार्थियों की अपेक्षित योग्यताओं को एक संगठित तरीके से विकसित किया जा सके । विद्यालय में करवाये जाने वाले अनेक कार्य जैसे परियोजना – कार्य , विभिन्न प्रतियोगिताएं , महत्तवपूर्ण दिवसों का आयोजन एवं सांस्कतिक कार्यकमों के आयोजन द्वारा ऐसे आकर्षक वातावरण का विद्यालय में निर्माण करना है जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो और जो विद्यार्थियों के लिए प्रेरक व उत्साहवर्द्धक हो ।

बच्चे के व्यक्तित्व – विकास के लिए, उन्हें अच्छा नागरिक बनाने के लिए व अच्छी आजीविका कमाने योग्य बनाने के लिए विद्यालय द्वारा किये गये प्रयासों में अभिभावकों के सहयोग की भी अति आवश्यकता है; किन्तु अन्ततः जिम्मेदारी विद्यार्थियों के कंधो पर है जो अपने लक्ष्य को कठिन परिश्रम तथा दृढ़ संकल्प द्वारा ही प्राप्त कर सकते हैं । इस प्रकार इस सम्पूर्ण प्रकिया के लिए अध्यापक, अभिभावक व विद्यार्थी – तीनों का परस्पर सहयोग अपेक्षित है ।

संगठन के सम्बन्ध में :–

भारत सरकार, नई दिल्ली के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा बनाए गए एक स्वायत्त निकाय – केन्द्रीय विद्यालय संगठन – द्वारा ये केन्द्रीय विद्यालय चलाये जाते हैं । ये केन्द्रीय विद्यालय केन्द्रीय सरकार के स्थानांतरित होने वाले कर्मचारी जिनमें रक्षा तथा अर्द्ध – सैनिक बलों के कर्मी भी शामिल हैं , के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बनाये गये हैं तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हैं । भारत के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में पाठयकम, नियम, वर्दी, विषय–चयन व्यवस्था एवं फीस का ढांचा एक समान है ।

केन्द्रीय विद्यालय, भानु :–

केन्द्रीय विद्यालय, आई.टी.बी.पी., भानु केन्द्रीय विद्यालय संगठन चण्डीगढ़ संभाग के विद्यालयों में से एक है, जो पंचकूला से 13 किलोमीटर दूर नारायणगढ़ सड़क पर स्थित है । इसकी स्थापना 1995 में हुई । ये सैकेण्डरी स्कूल भारत – तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा दी गई एक अस्थायी बिल्डिंग में कार्य कर रहा है । नये सत्र का प्रारंभ विद्यालय के नये भवन में प्रारंभ करने की पूर्ण आशा है । केन्द्रीय विद्यालय, आई.टी.बी.पी., भानु विद्यालयी शिक्षा के सभी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को सर्वोत्तम ज्ञान प्रदान कर रहा है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की लक्ष्य प्राप्ति में सहायक है । विद्यालय द्वारा भिन्न – भिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति व भूमिकाओं वाले विद्यार्थियों और अध्यापकों में परस्पर एकता व सहयोग के अवसर प्रदान किये जाते हैं ।

अन्य विस्तार :–

1	केन्द्रीय विद्यालय खुलने का दिनांक	23–06–1995
2	सर्वोच्च कक्षा	ग्यारहवीं (विज्ञान)
3	प्रति कक्षा वर्ग	एक
4	सेक्टर (क्षेत्र)	सुरक्षा
5	जिला	पंचकूला
6	राज्य	हरियाणा

परिसर में उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं :–

1	कक्षाओं हेतु कमरों की संख्या	11
2	विज्ञान प्रयोगशाला	01
3	कीड़ा क्षेत्र	01 कमरा व 02 मैदान
4	अन्य कक्ष (स0उ0उ0कार्य +कला+संगीत)	01
5	कम्प्यूटर कक्ष	01
6	पुस्तकालय	01